

एक नजर में...

पत्रकार दिलीप सैनी
हत्याकांड, पुलिस से
मुठभेड़ के बाद मृत्यु
आरोपी 2 सगे भाई गिरफ्तार

फतेहपुर उत्तर प्रदेश के फतेहपुर शहर में एक नामजद की हत्या के मामले में पत्रकार 2 सगे भाई बुधवार को सुबह एए पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिए गए। गिरफ्तार किए गए एक आरोपी के पैर में पुलिस की गोली लगी है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फतेहपुर जिले के अपर पुलिस अधीक्षक (एसपी) विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि बुधवार को सुबह वाहन जांच के दौरान मलवां थाना क्षेत्र के कैची मोड़ के बहिदापुर गांव के नजदीक पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन कार सवार 2 युवकों ने पुलिस पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे पैर में गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने घायल युवक के अलावा भाग रहे युवक की गिरफ्तार कर लिया है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार घायल युवक की पहचान अनुराग तिवारी उर्फ अन्नु (44) और भाग रहे युवक की पहचान आलोक तिवारी उर्फ अक्कू (42) के रूप में हुई है। गिरफ्तार युवक आपस में सगे भाई हैं और 30 अक्टूबर की रात फतेहपुर शहर में पत्रकार दिलीप सैनी की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। मिश्रा ने बताया कि इस मामले में 9 नामजद और 6 अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज है। इसके पूर्व 5 नामजद आरोपियों को फिलहाल गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस 2 नामजद और 6 अज्ञात आरोपियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से अवैध धमके और कुछ कारतूस व एक कार बरामद हुई है।

सीएम नीतीश ने बेगूसराय
के नवनिर्मित सिमरिया
घाट का किया निरीक्षण,
छठ महापर्व की तैयारियों
का लिया जायजा

पटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बेगूसराय जिले के नवनिर्मित सिमरिया घाट की निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छट महारथ को लेकर तैयार किये गए छह घाट का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छट प्रतिरथों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर प्रकार का पुख्ता प्रबंध रखें। छट घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए हर प्रकार की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करावें। छट घाटों पर लोगों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि ब्रती सहूलियतपूर्वक घाट तक आगमन कर सकें। उन्होंने कहा कि सिमरिया धाम काफी अच्छा बन गया है। यहां आने वाले लोगों के लिये हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करा दी गयी है। हम बराबर यहां आकर देखते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सिमरिया धाम में नवनिर्मित धर्मशाला की निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने राजकीय कल्पवास मेला क्षेत्र का भी परीक्षण किया और वहां पर उपस्थित साधु-संतों से मुलाकात की। राजेन्द्र सेतु के समानांतर बन रहे सिक्स लेन सड़क पुल के निर्माण। कार्यों की प्रगति की मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जानकारी ली और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

हिन्दी दैनिक R.N.I.NO - UPHIN/2015/63063

अवतार क्रान्ति

लखनऊ से प्रकाशित

मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत की हार्दिक बधाई : मोदी



नयी दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार दोपहर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में जीत के लिए डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। पीएम मोदी ने कहा, मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। आपके पिछले कार्यकाल की सफलताओं की तरह ही, मैं भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूँ। आइए, मिलकर अपने लोगों के कल्याण,

वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करें। ट्रंप ने जीत का अमेरिका का स्वर्ण युग बताया। रिपब्लिकन उम्मीदवार ने कहा, यह अमेरिकी लोगों के लिए एक शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने का अवसर देगी। ट्रंप ने अपने संबोधन में पत्नी मेलानिया को धन्यवाद देते हुए उन्हें फर्स्ट लेडी कहकर पुकारा। उन्होंने कहा, मेलानिया ने बहुत अच्छा काम किया। वह लोगों की

से महान बनाने का अवसर देगी।
ट्रंप ने अपने संबोधन में पत्नी
मेलानिया को धन्यवाद देते हुए
उन्हें फर्स्ट लेडी कहकर पुकारा।
उन्होंने कहा, मेलानिया ने बहुत
अच्छा काम किया। वह लोगों की

**त्योहारी सीजन में भीड़ कम करने के लिए
केंद्र ने शुरु की 7,663 स्पेशल ट्रेन सर्विस**

नयी दिल्ली रेलवे बोर्ड ने त्याहारी सीजन की भीड़ को देखते हुए 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक 7,663 स्पेशल ट्रेन सर्विस शुरू की है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 73 फीसदी अधिक है। रेलवे बोर्ड ने इसे लेकर एक बयान जारी किया है।, पूजा,दिवाली,छठ 2024 की भीड़ के लिए कुल 7,663 स्पेशल ट्रेन सर्विस अधिसूचित की गई है। पिछले साल इस अवधि के दौरान केवल 4,429 ट्रिप्स ही संचालित किए गए थे। बयान में कहा गया है कि भारतीय रेलवे ने 24 अक्टूबर से 4 नवंबर तक दिवाली और छठ उत्सव के दौरान 957.24 लाख नॉन सब अर्बन यात्रियों को सफर करवाया, जबकि पिछले साल इस अवधि के दौरान 923.33 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी, जो इस साल 33.91 लाख यात्रियों की वृद्धि दर्शाता है। 4 नवंबर को 12

कोरोड से ज्यादा यात्रियों ने इन सेवाओं का लाभ उठाया, जिसमें 19.43 लाख आरक्षित और 1.01 करोड से ज्यादा अनारक्षित नौन सबअर्बन यात्री शामिल रहे, जो चालू वर्ष के लिए एक दिन में यात्रियों की सबसे ज्यादा संख्या थी। बयान में कहा गया है कि यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 3 नवंबर को 207 और 4 नवंबर को 203 स्पेशल ट्रेन चलाई गई। रेलवे बोर्ड की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सोशल मीडिया पर ऐसी कई पोस्ट वायरल हो रही हैं, जिनमें ट्रेन में ज्यादा भीड़ देखी जा रही है। वहीं, कुछ स्टेशन पर यात्री खिडकियों से कोच में चढ़ते नजर आ रहे हैं। पिछले सप्ताह भारतीय रेलवे ने एक बयान जारी कर कहा था कि यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने और किसी भी घटना से बचने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

बनयान में कहा गया है, दिवाली और छठ के दौरान पूरे भारत में ट्रेन से यात्रा करना एक चुनौती भरा काम है, लेकिन नवरात्रि और दुर्गा पूजा के दौरान इसी तरह के परिचालन को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने के बाद, भारतीय रेलवे अब यात्रियों को चालू दिवाली और आगामी छठ समारोहों के लिए उनके मूल स्थानों तक पहुंचने में मदद करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सभी यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि अगर उन्हें रेलवे परिसर में कोई संश्लिष्ट पदार्थ दिखाई दे तो वे हेल्पलाइन 139 और रेल मंडल पोर्टल का उपयोग कर रेलवे से सुझाव (आरपीएफ) को सूचित करें। आग के किसी भी खतरे को रोकने के लिए 15 अक्टूबर से सामान की जांच और पर्सल जांचों का सख्त-साथ पोर्टेबल स्टैंड का उपयोग करने वाले विक्टोरिअल हॉकरों की निगरानी भी की जा रही है।

मदद करने के लिए बहुत मेहनत करती हैं। उन्होंने अपने अद्भुत बच्चों को भुत्थावाद दिया। मिडिया रिपोर्टों के मुताबिक ट्रंप ने अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क को रिपब्लिकन पार्टी का नया सितारा सिलाया। बता दें सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक मस्क ने इस चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति का खुलकर समर्थन किया था। ट्रंप ने उन्हें एक अद्वुत्त व्यक्ति बताया। चुनाव के तमाम संक्षेपों में हैरिस और ट्रंप के बीच कई बातों के मुकाबले की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन मतगणना शुरू होने के बाद ट्रंप को शायद ही कोई परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने शुरुआत से ही हैरिस पर बढ़त बना ली, जो लगातार कायम रही।

235 साल...अमेरिका को पहली महिला राष्ट्रपति
के लिए अभी और करना होगा इंतजार



पद पर किसी महिला का न होना देश के लोकतांत्रिक स्वरूप पर सवालिया निशाना खड़े करता है। कई विद्वानों का मानना है कि सत्ता में महिलाएं का होना राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास और वैधता का भावनाओं को मजबूत करता है। ये अन्य महिलाओं को मजबूत उम्मीदवासी के लिए प्रेरित करता है। अमेरिका में

कई उच्च पदों को महिलाएं संभाल चुकी हैं। संसद के दोनों सदनों में महिलाओं की मौजूदगी रही है। आखिर बात जब देश के सर्वोच्च पद की आती है तो अमेरिका का रिकॉर्ड जीरो है। आखिरी बार 2016 में हिलेरी क्लिंटन पद के काफ़ी नजदीक पहुंचीं लेकिन हार गई। उन्हें ट्रंप से करीब 28 लाख अधिक

पापुलर वोट मिले लेकिन चुनाव ड्रप में जीता क्योंकि उन्होंने इलेक्टोरल कॉलेज का बहुमत प्राप्त कर लिया। हालांकि हर मामले में अमेरिका से कहीं पीछे माने जाने वाले देशों ने सर्वोच्च पद महिला को देने में बिल्कुल संकोच नहीं दिखाया है। 1960 में सिरियोमा भंडारनायक ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया था। वह दुनिया में किसी भी देश की प्रमुख के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला थीं। इसके छह वर्ष बाद, भारत ने 1966 में इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में चुना। इंदिरा गांधी का आकलन विश्लेषक और इतिहासकार भारत के सबसे ताकतवर गीष्म के रूप में करते हैं। इंदिरा गांधी 1984 में हत्या से पहले तीन बार भारत की प्रधानमंत्री रही।

11 नवंबर से 'आप' शुरू कर रही है 'जिला पदाधिकारी सम्मेलन : गोपाल राय

चुके हैं। जिसका पूर्व सीएम केजरीवाल बिना कोई जवाब दिए बैठक से चले गए। इतना ही नहीं केजरीवाल जब बिना किसी जवाब के परिषद की बैठक से चले गए, तो उन्होंने इन मुद्दों को सोशल मीडिया पर जोरदार तरीके से उठाया। इसके अलावा कुलजीत चहल ने एनडीएमसी के सदस्य रहते हुए अस्थाई कर्मियों को गृह मंत्रालय से पक्का करवाना, स्कूलों पर विशेष ध्यान देने जैसे मामले भी उठाए। कुलजीत चहल ने एनडीएमसी बैठक की धारा-8 के तहत तीन प्रस्ताव पेश किए, जिसमें अरविंद केजरीवाल की इन बैठकों में मौजूदगी पर जोर दिया गया और कहा गया कि ऐसा न करने पर वे परिषद के सदस्य नहीं रहेंगे।

नयी दिल्ली राजधानी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने तैयारियाँ तेज कर दी हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को विधानसभा चुनाव को लेकर 'आप' की तैयारियों के बारे में बताया। गोपाल राय ने कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियाँ तेज हो चुकी हैं। पिछले दिनों हम लोगों ने पहले चरण में सभी विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली सरकार द्वारा किए गए कामों के साथ ही साथ विधानसभा क्षेत्र के अंदर विकास कार्यों से जनता को अवगत कराया। इस दौरान 'आपका विधायक आपके

द्वार' कार्यक्रम किया गया। उन्होंने कहा कि अब आगामी विधानसभा को देखते हुए बृथ स्तर पर बैठक की जाएगी। जिन लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए समय देने के लिए जिम्मेदारी ली। ऐसे लोगों की बृथ कमेटी के गठन का काम कर लिया गया है। दिल्ली के लोगों के साथ सीधा संवाद करने के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली के अदवा दीपावली से पहले सभी विधानसभा में पर्ययात्रा सफलतापूर्वक कर चुके हैं। दीपावली के बाद अरविंद केजरीवाल का अलग-अलग विधानसभाओं में पर्ययात्रा का दूसरा चरण चल रहा है। गोपाल राय ने कहा, आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों की तैयारियों को

बढ़ावा देने के लिए आप बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए 11 नवंबर से शजिला पदाधिकारी सम्मेलन शुरू करने जा रही हैं। इस सम्मेलन को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल संबोधित करेंगे। गोपाल राय ने कहा कि इस सम्मेलन में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा में आम आदमी पार्टी की प्रचंड जीत के लिए शपथ की दिलाई जाएगी। जिला पदाधिकारी सम्मेलन की शुरुआत नॉर्थ वेस्ट लोकसभा के किराड़ी से की जाएगी। शाम पांच बजे यहाँ पर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में अन्य विधानसभाओं के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

दुनियाभर के नेताओं ने ट्रंप को जीत की दी बधाई, पुतिन ने बेरुखी दिखाई, कहा-अभी नहीं देंगे,पहले...



में सक्षम रहे। आपके और मेरे दृढ़विश्वास के साथ। सम्मान और महत्वाकांक्षा के साथ। अधिक शांति और समृद्धि के लिए।" एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा अपराह्न दो बजे

तक उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने 277 निर्वाचक मंडल वोट, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने 224 निर्वाचक

(महासागर) के दोनों किनारों पर समृद्ध होते रहें। सिवंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान स्टर्मर ने पहली बार ट्रंप से एक निजी रात्रिभोज पर मुलाकात की थी। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक चौकाने वाला बयान सामने आया है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि वे अभी ट्रंप को जीत की बधाई नहीं देंगे। क्रेमलिन ने कहा कि ट्रंप को बधाई देने का फैसला उनके कार्यों और नीतियों के आधार पर किया जाएगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि

हम ट्रंप की नीतियों के आधार पर
उसका मूल्यांकन करेंगे। उन्होंने
यह भी बताया कि बर्धाई देने की
राष्ट्रपति की योजना के बारे में
कोई जानकारी नहीं थी। क्योंकि
अमेरिका को एक अमित्र देश को
रूप में देखा जाता है। इसके
विपरीत, यूक्रेन के राष्ट्रपति
वोलोडिमिर जेलेन्स्की ने ट्रंप को
बर्धाई दी और यूक्रेन का समर्थन
करने की अपील की। जेलेन्स्की
ने ट्रंप के उस कथन का समर्थन
किया जिसमें उन्होंने ताकत के
धम पर शांति लाने की बात कही
थी। उन्होंने अपनी सिंतंबर में हुई
बैठक को भी याद किया।

सम्पादकीय

मदरसा शिक्षा पर बड़ा फैसला

मंगलवार 5 नवंबर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए उत्तरप्रदेश मदरसा अधिनियम 2004 को मान्यता बरकरार रखी है। दरअसल इसी साल 22 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मुलायम सिंह सरकार द्वारा बनाए गए इस अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने उद्देश्य की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक योजना बनाने का निर्देश भी दिया था, ताकि वर्तमान में मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जा सके। गौरतलब है कि 2004 में बनाए गए मदरसा अधिनियम का मकसद मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करना था। इसमें मदरसा शिक्षा को अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा), दर्शन और अन्य विषयों की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है। उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार मदरसे हैं। जिनमें से साढ़े 16 हजार मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की ओर से मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 560 मदरसों को सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। इसके अलावा, राज्य में साढ़े आठ हजार गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे भी चल रहे हैं। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देता है। इनको क्रमशः कामिल और फाजिल कहा जाता है। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मदरसे कामिल और फाजिल की डिग्री नहीं दे सकेंगे, क्योंकि यह यूजीसी के अंतर्गत आते हैं। मगर मदरसों के छात्र 12वीं तक की शिक्षा पहले की तरह ले सकेंगे। दरअसल यहां मसला इस बात का नहीं है कि बच्चों को कौन सी डिग्री मिल रही है और कौन सी नहीं। असल सवाल उस अधिकार का है, जो संविधान के दायरे में रहकर अल्पसंख्यक समुदाय को दिया गया था, लेकिन उसके हनन के खतरे खड़े हो गए थे। मार्च 2024 में अंशुमन सिंह राठौड़ की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब मदरसा अधिनियम के खिलाफ फैसला सुनाया था, तो इसे धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया था। इस फैसले के बाद उप्र सरकार ने मदरसों के खिलाफ तमाम फरमान जारी कर दिए थे। मदरसों की मनमानी जांच शुरू कर दी गई

लेकिन सरकार ने अपना आदेश जारी कर यह भी प्रचारित किया कि मद्रसों में आधुनिक शिक्षा नहीं दी जा रही। जबकि मद्रसों के छात्र धार्मिक तालीम के साथ-साथ इतिहास, भूगोल, गणित और विज्ञान आदि उर्दू या अरबी के जरिए पढ़ते हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गईं। इनमें अंजुम कादरी, मैनेजर्स एसोसिएशन मद्रस अरबिया (उम्र), ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मद्रस अरबिया (नई दिल्ली), मैनेजर एसोसिएशन अरबिया मद्रसा नए बाजार अली टीचर्स एसोसिएशन मद्रस अरबिया कानपुर शामिल थे। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस फैसले में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए बनाए गए संविधान के अनुच्छेद 30 पर भी ध्यान नहीं दिया गया, जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश जी वाय चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने भी उच्च न्यायालय के फैसले को खिलाफ आदेश सुनाते हुए धर्मनिरपेक्षता को लेकर जो कुछ कहा, वह भविष्य के लिए भी मिसाल बन गया है। अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा के लिए राज्य को अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ धर्मनिरपेक्ष संस्थानों के समान व्यवहार करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता होती है, जबकि उन्हें अपने अल्पसंख्यक चरित्र को बनाए रखने की अनुमति होती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता राज्य को सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करने के लिए कुछ व्यक्तियों के साथ अलग व्यवहार करने की अनुमति देती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा मौलिक समानता के सिद्धांत में संगति पाती है। इस व्याख्या के बाद संविधान प्रदत्त अधिकारों की जो मनमानी व्याख्या सत्तारूढ़ दल अपने छिपे एजेंडे को लागू करने के लिए करते हैं, उन पर शायद अंकुश लगे। दरअसल मद्रसों को लेकर तमाम तरह की भ्रांतियां बीते कुछ बरसों में फैलाई गईं। इस तरह मिशनरी स्कूलों को लेकर भी पूर्वाग्रह फैलाए गए और देश में कई जगहों पर इन स्कूलों में अराजक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की कोशिशें भी हुईं। इसके बरक्स संघ की सोच से संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों को खूब बढ़ावा मिला। वहीं स्कूलों में सूर्य नमस्कार, गायत्री मंत्र या गीता के पाठ के जरिए परोक्ष रूप से हिंदुत्व की राजनीति को बच्चों के नाजुक मन पर रोपने की कोशिशें भी चल ही रही हैं। संघ भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देखता है और सत्ता में बैठी भाजपा द्वारा कई ऐसे फैसले लिए गए या लेने की कोशिश की गई, जिनसे संघ का मकसद पूरा हो। आम दिनों के अलावा चुनावों के दौरान सांप्रदायिक ध्वीकरण की कोशिशें भाजपा की तरफ से तेज हो जाती हैं। अभी जिस तरह झारखंड चुनाव में हिंमता बिस्वा समरा, आदित्यनाथ योगी, अमित शाह, नरेन्द्र मोदी जैसे भाजपा प्रचारक बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को तेज कर रहे हैं या महाराष्ट्र चुनाव में योगी के ही दिए नारे बंटेंगे तो कटंगे के पोस्टर लगाए गए, वो इसकी मिसाल हैं।

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में रिकार्ड उछाल



नन्तु बनर्जी यूरोप और एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा पहले से कहीं ज्यादा सोना खरीदने के कारण पिछले साल से सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। आने वाले महीनों में सोने की कीमतों में उछाल का सिलसिला जारी रह सकता है, जब तक कि दुनिया में जल्द ही शांति और आर्थिक स्थिरता वापस नहीं आ जाती। हालांकि, निकट भविष्य में शांति और वित्तीय स्थिरता आने की संभावनाएं बहुत कम हैं क्योंकि ईरान ने इजरायल और हमاس के उग्रवादियों के बीच युद्ध में दखल देते हुए इजरायल पर मिसाइलें फेंकी हैं और बाद में इजरायल ने भी तुनिदा ईरानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी मिसाइल हमलों के साथ जवाब दिया है। सालों पुराना हमसा-इजरायल युद्ध के अब ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य हिस्सों में फैलने का खतरा है। इसी तरह, दो साल पुराना रूस-यूक्रेन युद्ध एक बुरा मोड़ ले सकता है, क्योंकि उत्तर कोरिया रूस में सेना भेज रहा है, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते, पेटांगन ने पुष्टि की कि लगभग 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया है और माना जा रहा है कि वे श्मगलें कुछ हफ्तांदरहा है। यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में शामिल हो जायेंगे। कई क्षेत्रों में भू-राजनीतिक स्थिति गंभीर है। शायद यही कारण है कि अनेक देशों के केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। 2024 की पहली छमाही के दौरान, केंद्रीय बैंकों ने रिकॉर्ड 483 टन सोना खरीदा, जो 2023 में 460 टन के पिछले रिकॉर्ड से पाँच प्रतिशत अधिक था। 2024 की पहली छमाही में तुर्की सोने का

अपने ही जलाये

जॉ. दीपक पाचपोर
भारत के सर्वोच्च न्यायाधीश
डीवाई चंद्रचूड़ के कामकाज का
यह अंतिम सप्ताह है। देश के 50वें
चीफ जस्टिस के रूप में काम करने
के बाद वे आने वाले सप्ताह के
अंतिम दिन यानी रविवार, 10 नवम्बर
को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। 11
नवम्बर, 1959 को जन्मे सीजेआई
डीवाई चंद्रचूड़ पहले बाम्बे हाईकोर्ट
में जस्टिस रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट
के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद
वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। देश में
नागरिक अधिकारों की सर्वोच्च
कस्टोडियन कही जाने वाली इस
न्यायिक संस्था के मुखिया का पद
उन्होंने 8 नवम्बर, 2022 को सम्हाला
था। जिस दौरान वे इस कुर्सी पर
बैठे थे, वह एक तरह से अंधेरे का
समय था। दो चुनाव जीतकर प्र
धानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस प्रकार
निरंकुश बन बैठे थे, उसके कारण
देश की संवैधानिक संस्थाएँ कमजोर
हो चुकी थीं, विपक्ष लुंज-पुंज की
अवस्था से वापिस खड़ा होने की
कोशिश कर रहा था, अल्पसंख्यकों
की इमारतों तथा नागरिक अधिकारों
पर बुलडोजर चल रहे थे।
फिलहाल मोदी जो तोड़ बहुत
कमजोर पड़े हैं वह न्यायपालिका
के कारण नहीं बरन नागरिकों के
कारण है। सीजेआई चंद्रचूड़ को
कार्यकाल को किस प्रकार से याद
किया जायेगा, इस पर विचार किया
जाने का यह सटीक वक्त है। उनके
पिता जस्टिस वाईडी चंद्रचूड़ भी
28 अगस्त 1972 को सुप्रीम कोर्ट
के चीफ जस्टिस बने थे जिन्होंने
न्यायपालिका के इतिहास में सबसे
लम्बी अवधि तक इस पद पर बने
रहने का इतिहास बनाया है— 7
साल 4 माह का। वे अपने निर्भीक
फैसलों एवं जनपक्षीय न्यायदान के
लिये जाने जाते थे। इसलिये जब
उनके पुत्र डीवाई ने यह पद
सम्हाला तो उनसे आशाएँ होनी
स्वाभाविक थीं क्योंकि वे निष्पक्षता
व निर्भीकता की एक चमकदार
पारिवारिक विरासत लेकर आये थे
वैसे तो बगैर डरे और पक्षपात विहीन

आत्मघाती निष्क्रियता

यह जानते हुए भी कि आम भारतीयों को आनुवंशिक रूप से संक्रमण-संक्रामक रोग मसलन हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर व मोटापा शेष विश्व के लोगों के मुकाबले कई साल पहले हो जाता है, देश में आधे वयस्कों की शारीरिक निष्क्रियता की रिपोर्ट प्रेषणन करती है। विश्व विख्यात मेडिकल पत्रिका लांसेट ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की मार्गदर्शिका का हवाला देते हुए बताया था कि भारतीय जीस इन गैर संक्रामक रोगों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। हमें ये रोग अन्य देशों के मुकाबले दस साल पहले होने सकते हैं। लेकिन नियमित शारीरिक श्रम से हम इन रोगों को टाल सकते हैं। विश्व जनसंख्या समीक्षा का निष्कर्ष है कि हमारा देश विश्व फिटनेस रैंकिंग में 112वें स्थान पर आता है। यही वजह है कि भारत के आधे वयस्क सामान्य शारीरिक निष्क्रियता की वजह से कई गैर संक्रामक रोगों से जूझ रहे हैं। छोटे से देश ताड़वान की

शारीरिक सक्रियता के प्रति
जागरूकता देखिए कि फिनेन्स में
वह शीर्ष दस एशियाई देशों में शुमार
हैं। दउसल, देश में शारीरिक
सक्रियता व सहेत के प्रति राष्ट्रीय
सोच विकसित करने की जरूरत

एस में जाडपा वृद्धि के साथ
शारीरिक सक्रियता में गिरावट के
कया यह निष्कर्ष निकाला जा कि
हम संपन्नता के साथ आसुरी हो
गए हैं? यानी आध बढने के प्रति
हम शारीरिक गतिविधियों के साथ

सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने 45 टन सोना खरीदा। भारतीय रिजर्व बैंक 2024 में लगातार सोना खरीद रहा है, और सितंबर 2024 तक, इसने अपने धरेलू सोने के भंडार में 100 मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि की है।

पाँलड की राष्ट्रीय बैंक भारत के रूप से थाड़ा कम हा सकता है। खरीद संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्वर्ण लेकिन आने वाले शादी के मौसम साखीदार बन गया है। चीन पिछले में वे फिर से बढ़ने के लिए बाध्य हैं। 18 महीनों से अपने स्वर्ण भंडार में अमीर लोग मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा के लिए लगातार अपनी अतिरिक्त रुपये की संपत्ति को सोने में दबा रहे हैं। नाममात्र जीडीपी में दुनिया में भारत की अनुमानित प्रति व्यक्ति आय ₹136वै हैं। जो 2022 मंघ 2,089.73 डॉलर के सर्वांकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गयी है। देश ने दुनिया में सोने का पांचवां सबसे बड़ा आयातक होने का गौरव प्राप्त किया है, जो वैश्विक आयात का नौ प्रतिशत से अधिक है। 2023-24

चिराग को बुझाकर



न्याय की विरासत खुद न्यायपालिका में उपलब्ध है परन्तु मोदी—काल में जिस प्रकार से न्यायपालिका का व्यवहार रहा है, उसके कारण सीजेआई चंद्रचूड़ से स्वतंत्र न्याय की अपेक्षा के लिये लोग संस्था की बजाये उनके परिवार की ओर देखने लगे थे और याद करते थे। वे जब इस पद पर बैठे तो कई न्यायाधीश, यहां तक कि एक पूर्व चीफ जस्टिस भी लोगों को निराश कर चुके थे। पद छोड़ने के बाद किसी के लिये राज्यसभा में कुर्सी लगाने लगी तो किसी को राजभवन की आरामदेह जिंदगी नसीब हुई। एक तो ऐसे भी निकले जिन्होंने त्यागपत्र देकर भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा का चुनाव तक लड़ लिया और संसद पहुँचे। ऐसे सारे पूर्व मीलर्ड्स ने निःसंदेह अपने पेशे को कलंकित किया क्योंकि उनकी सरकार से ऐसे फैसले निकले थे जो सरकार से बढ़कर सत्ताधारी दल यानी भाजपा के लिये लाभकारी साबित हुए थे। यहां तक कि कुछ

ऐसे निर्णय भी थे जो उस संविधान की धज्जियां उड़ाने के लिये भी जाने गये जिसकी रक्षा का भार एकादयित्व इन्हीं माननीयों पर था। सेवा काल के बाद जब इन न्यायाधीशों ने सरकार में कोई पद सम्हाला या राजनीति में प्रवेश किया तो

क्रियाता

दवासीन हो गए हैं? क्या भारतीयों की जीवन शैली शारीरिक सक्रियता के विमुख होती जा रही है? यह एक हकीकत है कि जैसे-जैसे हमारे जीवन स्तर में वृद्धि हुई और हमारा खान-पान समृद्ध हुआ, हमने प्रमाद की राह चुन ली। हम दपतर कार-स्कूटर से जाते हैं, आराम कुर्सी पर काम करते हैं, घर आकर सोफे पर पसर जाते हैं, टीवी,लेपटॉप व मोबाइल में डूब जाते हैं। लेकिन पैदल चलने की जहमत नहीं उठाते। हम सब सीढ़ी चढ़ने के बजाय लिफ्ट या एलीवटर को तरजीह देते हैं। सस्त्री मंडी कार से जाते हैं। ऑन लाइन मार्केटिंग के जमाने में हम घर बैठे ही सब कुछ हासिल कर लेते हैं। खाना ऑनलाइन मंगा लेते हैं। तभी बड़े बाजारों की रौनक गायब है। घर का काम हमने कामवाली और नौकर-चाकरों पर छोड़ दिया है। शरीर के स्वस्थ रहने का अपना नियम है। जितने हम चलेगें, जीवन उतना लंबा चलेगा। हमारे पूर्वजों ने तमाम ताले विकट भौगोलिक स्थितियों वाले स्थलों व पर्वतों पर स्थापित किए थे, ताकि शारीरिक श्रम से हम स्वस्थ रह सकें। हम बड़े तीर्थस्थल वाहनों या हैली सेवाओं से पहुंच रहे हैं। सुविधा सहित की दुविधा पैदा करती है। जिसने भाजपा या सरकार को लाभ दिया हो। एक जज के रूप में परन्तु भविष्य में निजी तौर फायदे लेने के लिये हुए ये फैसले अंततोगत्वा भारतीय न्याय पद्धति की विश्वसनीयता को पलीता लगे गये। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से देशवासी ऐसे निर्णयों और न्यायाधीशों को देखने के आदी हो चुके हैं क्योंकि जब राष्ट्रपति रहे रामनाथ कोविंद ने तक बगैर ना-नुकुर एक देश एक चुनाव के लिये बनी कमेटी का अध्यक्ष बनना स्वीकार कर लिया तो न्यायाधीशों की भला क्या बिसात? वैसे न्यायपालिका के जजों के बारे में अब कहा जाने लगा है कि शजब सांसद-राज्यपाल बनने का अवसर सामने हो तो खामख्वाह जज लोया क्यों बन जाये? यह भी ख्याल रखा जाये कि जब डी वाय चंद्रचूड सीजेआई बने तब तक स्वीकार कर लिया गया था कि न्यायपालिका सरकार की जेब में है। उनके आने के पहले ही मोदी एवं उनके मुख्य सिपहासाल अमित शाह मनमाने ढंग से कई संविधान विरोधी धा जनविरोधी कानून बगैर रुकावट के ला चुके थे। चाहे कृषि कानून हो या अनुच्छेद 370 की समाप्ति

में भारत का सोने का आयात साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त 2024 में, भारत ने रिकॉर्ड सोने के आयात की सूचना दी, जो कुल 10 अरब डॉलर था, जो पिछले महीने से तीन गुना वृद्धि थी। इस वर्ष के दौरान, भारत ने पहले चार महीनों में 2023 की तुलना में अधिक चांदी का आयात किया। फरवरी 2024 में, भारत का चांदी का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, और वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद थी। भारत का सोना और चांदी का आयात मुख्य रूप से पांच देशों से होता है, जिसमें स्विट्जरलैंड सोने के आयात का प्राथमिक स्रोत है, जबकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, गिनी और बोलीविया हैं। 2023-24 में यूई से भारत के सोने और चांदी के आयात में 210 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां निजी सोने की जमाखोरी का अधिकांश हिस्सा निम्न मध्यम आय वर्ग के पास है। चीन में, उच्च मध्यम आय वर्ग के पास देश की सोने की बचत का अधिकांश हिस्सा है। लगभग हर जगह, उच्च आय वर्ग के पास निजी सोने की अधिकांश जमाखोरी होती है। दुनिया के शीर्ष निजी सोना जमा करने वाले देशों में शामिल हैंरू अमेरिका (8,133 टन), जर्मनी (3,352 टन), इटली (2,452 टन), फ्रांस (2,437 टन), चीन (2,264 टन), जापान (846 टन), भारत (841 टन) और नीदरलैंड (612 टन)। सोना शायद एकमात्र ऐसी वस्तु है, जिसकी मांग कीमत के साथ बढ़ती है। चालू वर्ष की तीसरी तिमाही (कृ3) के परिणामों के अनुसार, कुल सोना मांग में साल दर साल रिकॉर्ड पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह मजबूती सोने की कीमत में परिलक्षित हुई, जो तिमाही के दौरान कई नये रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गयी। मांग का मूल्य साल दर साल 35 प्रतिशत बढ़कर पछली बार 100अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वर्ल्ड गोल्ड कारंसिल के अनुसार, सोने की छड़ और सिक्कों में निवेश (269 टन) में साल दर साल नौ प्रतिशत की गिरावट आयी, जो कि 2023 की अपेक्षाकृत मजबूत तीसरी तिमाही से कम है। गिरावट का अधिकांश हिस्सा दो या तीन प्रमुख बाजारों तक सीमित था, जिसमें भारत के एक बहुत मजबूत तिमाही द्वारा संतुलित किया गया। भारत में मजबूत वृद्धि के बावजूद सोने के आभूषणों की खपत (459 टन) में साल दर साल 12% प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि उपभोक्ताओं ने कम मात्रा में खरीदारी की, लेकिन सोने के आभूषणों पर उनका खर्च बढ़ गया। मांग का मूल्य साल दर साल 13 प्रतिशत बढ़कर 36 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वैश्विक स्वर्ण मूल्यों को नियंत्रित करने वाले सामान्य कारक जैसे भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति संबंधी दबाव, केंद्रीय बैंक की खरीद, बांड प्रतिफल और अमेरिकी डॉलर की मजबूती या कमजोरी आदि भारत के विशाल निम्न मध्य आय वर्ग को चिंतित नहीं करते हैं।



यसने निर्णय भी थे जो उस संविधान की धजियाँ उड़ाने के लिये भी जाने गये जिसकी रक्षा का भार एवं दायित्व इन्हीं मानीयों पर था। सेवा काल के बाद जब इन न्यायाधीशों ने सरकार में कोई परम्परा या राजनीति में प्रवेश किया तो वे लोग उनके दिये निर्णयों को फिर से उलट-पलट कर देखने लगे और इसकी जाँच करते रहे कि क्या उनमें कोई ऐसा एंगल रहा था जिससे भाजपा या सरकार को लाभ पहुँचा। एक जज के रूप में परन्तु भविष्य में निजी तौर पर फायदा लेने के लिये हुए ये फैसले अंततोगत्वा भारतीय न्याय पद्धति की विश्वसनीयता को पीलीला गया। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों से देशवासी ऐसे निर्णयों और न्यायाधीशों को देखने के आदी हो चुके हैं तो क्योंकि जब राष्ट्रपति रहे रामनाथ कोविंद ने तक बैंगर ना-नुकर के एक देश एक चुनाव के लिये बनी कमेट्री का अध्यक्ष बनना स्वीकार कर लिया तो न्यायाधीशों की मला कथा बिसात? वैसे न्यायपालिका के जजों के बारे में अब कहा जाने लगा है कि शजब सांसद-राज्यपाल बनने का असर सामने हो तो खामख्वाह जज लोया क्यों जाने चले? यह भी ख्याल रखा जाये कि जब डी वाय चंद्रचूड सीजेआई बने तब तक स्वीकार कर लिया गया था कि न्यायपालिका सरकार की जेब में है। उनके मुख्य पहलू ही मोदी एवं उनके मुख्य सिपहसालार अमित शाह मनमाने ढंग से कई संविधान विरोधी या जनविरोधी कानून बैंगर रूकावट के ला चुके थे। चाहे कृपि कानून हो या अनुच्छेद 370 की समाप्ति आदि, अपनी नागरिकता साबित करने के लिये कागज दिखाएँ या मनबूर करने वाले कानून हों या न्याय संहिता में मममाने बदलाव। सरकार के खिलाफ की गयी तमाम याचिकाएँ न्यायपालिका में आँधे मुह जा गिरती थीं। सरकार और मोदी को खिलाफ बात करना गैरकानूनी ही नहीं एक तरह से पाप हो चला था। विरोधी दलों की सरकारें गिराई जाती रहीं तो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को शक्तिहीन किया गया अथवा जेलों में डाला जाता रहा। सरकारें गिराई जाती रहीं सो अलग। ऐसे में जब सीजेआई चन्द्रचूड ने सरकार की आलोचना को लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अच्छा बताया, जन आंदोलनों को लोकतांत्रिक अधिकार बताया तथा वे नागरिक अधिकारों के पक्ष में खड़े दिखाई दिये, तो उन्होंने मानों घुप अंधेरे में एक चिराग रोशन किया था। लोगों को लगने लगा था कि ऐसे न्यायाधीश से सरकार की ममानी रुकेगी, नागरिकाधिकार बहाल होंगे और नागरिक उनके अधिकारों से पुनरुसुसजित होंगे। उनके कुछ निर्णय इस तरह के दिखाई तो दिये लेकिन उनका लास्टिंग इफेक्ट कहीं नजर नहीं आता। सरकार का लोकतंत्र विरोधी काम अब भी जारी है, विरोधी नेताओं के दरवाजों पर जांच एजेंसियाँ अब भी दस्तक देती रहती हैं। कुछ नेताओं या कार्यकर्ताओं को बेल मिल जाना ही न्याय नहीं है क्योंकि वे अब भी अपने सिर पर अपराधी होने का ऐसा कलंक ढो रहे हैं जो साबित ही नहीं हुआ है। यह वक्त है कि उनके कई फैसलों या उनकी देखरेख में हुए निर्णयों की (चाहे वे उनमें शामिल रहे हों या न रहे हों) विवेचना का। यह तब सही है कि चीफ जस्टिस चन्द्रचूड ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स को सही ढरराया पर इसके लिये तो किसी भी पार्टी का पैसा जब्त किया न किसी को दोषी ढरराया, जैसे उनके एक पूर्ववर्ती सीजेआई ने बाबरी मस्जिद के विध्वंस को गैरकानूनी बतलाते हुए भी मंदिर बनाने की अधिकार दिया। सीजेआई चन्द्रचूड ने तोड़-फोड़ से बनी महाराष्ट्र सरकार को अवैध तो ढरराया लेकिन उसे वे सत्ता में बने रहने को मौन होकर देखते भी रहे। उन्होंने चंडीगढ़ नगरपालिका के निर्वाचन अधिकारी को लोकतंत्र का अपराधी बतलाया पर उस जेल नहीं भेजा। ऐसे ही, उमर खालिद हों या सुधा भारद्वाज अथवा जीएन साईबाबा या फादर स्टेन— इन सबकी न रिहाई सुनिश्चित की और न ही उनके खिलाफ आरोप साबित करने के लिये अभियोजन पक्ष को जवाबदेह बनाया। इनमें से कई अब भी जेल के भीतर दिन रह रहे हैं या कुछ बाहर आकर मर गये हैं। दूसरी ओर दोषसिद्ध हुए अपराधी हर महीने— दो महीने में फरलो पर जेल के बाहर आ जाते हैं। प्रक्रिया को दोष नहीं दिया जा सकता है ही जिम्मेदार ढरराया जा सकता है (जो सजा से भी अधिक कष्टप्रद है) क्योंकि उसे भी न्यायपूर्ण बनाना सुप्रीम कोर्ट का ही काम है। जब सीजेआई चंद्रचूड ने अपने घर गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाया, तब भी सवाल उठे। अंधरा छंटा नहीं है। ऐसे में जो दीपक सीजेआई चंद्रचूड ने जलाया था उसे भी वे फूँक मारकर जा रहे हैं।

चादि, अपनी नागरिकता साबित करने के लिये कागज दिखाने पर मजबूर करने वाले कानून हों या न्याय सहिता में मनमाने बदलाव। सरकार के खिलाफ की गयी तमाम याचिकाएँ न्यायपालिका में औंधे मुँह जा गिरती थीं। सरकार और मोदी के खिलाफ बात करना गैरकानूनी ही नहीं एक तरह से पाप हो चला था। विरोधी दलों की सरकारें गिराई जाती रहीं तो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को शांतिहीन किया गया अथवा जेलों में डाला जाता रहा। सरकारें गिराई जाती रहीं सो अलग। ऐसे में जब सीजेआई चन्द्रचूड़ ने सरकार की आलोचना को लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अच्छा बताया, जन आंदोलनों को लोकतांत्रिक अधिकार बताया तथा वे नागरिक अधिकारों के पक्ष में खड़े दिखाई दिये, तो उन्होंने मानों घुप अंधेरे में एक चिराग रोशन किया था। लोगों को लगने लगा था कि ऐसे न्यायाधीश सरकार की मनमानी रूकेगी, मानवाधिकार बहाल होंगे और नागरिक उनके अधिकारों से पुनरुत्सुसज्जित होंगे। उनके कुछ निर्णय इस तरह के दिखाई तो दिये लेकिन उनका लाफ्टिंग इफेक्ट कहीं नजर नहीं आता। सरकार का लोकतंत्र विरोधी काम अब भी जारी है, विरोधी नेताओं के दरवाजों पर जांच एजेंसियाँ अब भी दस्तक देती रहती हैं। कुछ नेताओं या कार्यकर्ताओं को बेल मिल जाना ही न्याय नहीं है क्योंकि वे अब भी अपने सिर पर अपराधी होने का ऐसा कलंक ढो रहे हैं जो साबित ही नहीं हुआ है। यह वक्त है कि उनके कई फैसलों या उनकी देखरेख में हुए निर्णयों की (चाहे वे उनमें शामिल रहे हों या न रहे हों) विवेचना का। यह सही है कि चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स को सही ढरराया पर इसके लिये न तो किसी भी पार्टी का पैसा जब्त किया न किसी को दोषी ठहराया, जैसे उनके एक पूर्ववर्ती सीजेआई ने बाबरी मस्जिद के विध्वंस को गैरकानूनी बतलाते हुए भी मंदिर बनाने की अधिकार दिया। सीजेआई चन्द्रचूड़ ने तोड़-फोड़ से बनी महाराष्ट्र सरकार को अवैध तो ठहराया लेकिन उसे वे सत्ता में बने रहने को मौन होकर देखते भी रहे। उन्होंने चंडीगढ़ नगरपालिका के निर्वाचन अधिकारी को लोकतंत्र का अपराधी बतलाया, पर उसे जेल नहीं भेजा। ऐसे ही, उमर खालिद हों या सुधा भारद्वाज अथवा जीएन साईबाबा या फादर स्टेन— इन सबकी न रिहाई सुनिश्चित की और न ही उनके खिलाफ आरोप साबित करने के लिये अभियोजन पक्ष को जवाबदेह बनाया। इनमें से कई अब भी जेल के भीतर दिन गिन रहे हैं या कुछ बाहर आकर मर गये हैं। दूसरी ओर दोषसिद्ध हुए अपराधी हर महीने— दो महीने में फरलो पर जेल के बाहर आ जाते हैं। प्रक्रिया की दोष नहीं दिया जा सकता है जो जिम्मेदार ठहराया जा सकता है (जो सजा से भी अधिक कष्टप्रद है) क्योंकि उसे भी न्यायपूर्ण बनाना सुप्रीम कोर्ट का ही काम है। जब सीजेआई चंद्रचूड़ ने अपने घर गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाया, तब भी सवाल उठे। अंधेरा छंटा नहीं है। ऐसे में जो दीपक सीजेआई चन्द्रचूड़ ने जलाया था उसे भी वे फूँक मारकर जा रहे हैं।

युवक ने पुल से नीचे लगाई छलांग,कार से आया था, कुछ देर दहलाव फिर कूद गया

बांदा। जनपद में एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते नदी के पुल से कूदकर जान देने की कोशिश की। यह घटना तिवदारी थाना क्षेत्र के बैदाघाट इलाके में हुई। सुबह एक युवक ने अपनी कार पुल के पास खड़ी की और फिर बिना किसी कारण के नदी में कूद गया। जब राहगीरों ने यह देखा, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू की, लेकिन 3 घंटे के बाद भी युवक का कोई पता नहीं चला है। युवक की पहचान उसकी कार से मिले आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों से शिव प्रताप सिंह (20) पुत्र राकेश सिंह के रूप में हुई है। जो बांदा जिले के जारी गांव का रहने वाला है। पुलिस युवक की तलाश कर रही है।

यातायात माह का शुभारंभ,आयुक्त बोले– यह एक महत्वपूर्ण पहल

बांदा। चित्रकूट धाम मंडल के बांदा में आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी और पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने आज यातायात माह का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी नगेंद्र प्रताप और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के साथ बाबूलाल चौराहे पर आयोजित इस कार्यक्रम में फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर यातायात जागरुकता रैली की शुरुआत की गई। इस दौरान बिना हेलमेट वाले बाइक सवारों को हेलमेट भी वितरित किए गए। आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने कहा यह अभियान पूरे मंडल के प्रत्येक थाने में चलाया जा रहा है। जिससे सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता लाई जा सके। यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

बार में महिला से अश्लील हरकत, आरोपी निदेशक गिरफ्तार

के साथ पार्टी में मौजूद अन्य कर्मचारियों से पुलिस की टीमें पूछताछ कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में एक युवती ने बताया कि वह एक बिल्डिंग कंसलटेसी फर्म में काम करती है। सेक्टर–63 स्थित कंपनी का मालिक और निदेशक इंदिरापुरम का भूपेंद्र कुमार रमैया है। बीते 26 अक्टूबर को भूपेंद्र ने कंपनी के सभी कर्मचारी को गार्डन गैलेरीया स्थित एक बार में पार्टी दी थी। महिला भी अन्य कर्मचारियों के साथ पार्टी में शामिल होने के लिए आई। शराब पीने के बाद भूपेंद्र कुमार ने महिला के साथ अश्लील हरकत की। विरोध करने के बावजूद वह बाज नहीं आया और लगातार महिला कर्मचारी को परेशान करता रहा। पार्टी के दौरान निदेशक ने गलत तरीके से महिला के शरीर को छुआ। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने उसे कंपनी से बाहर निकालने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। घटना के बाद मानसिक रूप से परेशान युवती कई दिन तक घर पर ही रही। जब उसने मामले की शिकायत सेक्टर–39 पुलिस से की तब मामले की जांच शुरू हुई। आरोपी को पुलिस टीम ने मंटे गिरफ्तार कर लिया। जिस बार में घटना हुई वहां के संचालक और स्टॉफ से भी पुलिस ने घटना के संबंध में पूछताछ की है। पुलिस बार के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज ग्राहल रही है। मामले से संबंधित कई अहम जानकारी और फुटेज पुलिस को मिल गई है।



नोएडा। नोएडा सेक्टर–39 थाना क्षेत्र स्थित टाइम मशीन बार में एक कंपनी के निदेशक ने महिला कर्मचारी के साथ अश्लील हरकत की। पीडित महिला आरोपी की कंपनी में ही काम करती है। पुलिस ने आरोपी निदेशक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 26 अक्टूबर को हुई घटना की शिकायत महिला कर्मचारी ने सोमवार को दी। दोनों

चार साल की बच्ची को सोते समय उठा ले गया दरिदा खेत में ले जाकर किया दुष्कर्म

शाहजहांपुर। घर मे सो रही चार बर्षीय बच्ची को दरिदा उठा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया और खेत मे बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गया।
कांट थाना क्षेत्र में बीती रात में एक चार बर्षीय बच्ची लापता हो गई। परिजन बच्ची को रात भर खोजते रहे लेकिन बच्ची मिली नही। बुध्ावार सुबह बच्ची घर से करीब आधा किलोमीटर दूर ट्यूबवेल के पास पड़ी मिली। ग्रामीणों ने देखने के बाद परिजनों को सूचना दी। बच्ची के प्राइवेट पार्ट्स से ब्लड निकल रहा था। आशंका जताई गई है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया है। पुलिस ने बच्ची को तत्काल पीआरवी से कांट सीएचसी भेजा। जहां उसका मेडिकल परीक्षण करने के लिए महिला डाक्टर को बुलाया गया। वहीं पुलिस ने गांव के एक आरोपी

को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। थाना कांट क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली चार साल की बच्ची रात में परिवार के साथ सो रही थी। रात करीब दो बजे परिवार के लोगों की आंख खुली तो बच्ची घर में नही थी। परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन बच्ची का कुछ पता नही चल सका। रात भर परिजन बच्ची को गांव से लेकर आसपास के क्षेत्रों में ढूंढते रहे। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने बच्ची को मकान से करीब आधा किलोमीटर दूर ट्यूबवेल के पास पड़ा देखा। उसके बाद कौरन परिजनों को जानकारी दी गई। परिजन मौके पर पहुंच गए। बच्ची के प्राइवेट पार्ट से ब्लड निकल रहा था। परिजनों ने देखते ही दुष्कर्म की आशंका जताते हुए पुलिस को जानकारी दी। बच्ची कुछ बोल नही पा रही है। थाना प्रभारी

अवनीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने परिजनों से घटना के संबंध जानकारी ली जा रही है। पुलिस ने बच्ची को पीआरवी से तत्काल सीएचसी भिजवाया। जहां महिला डाक्टर को बुलाकर उसका मेडिकल परीक्षण कराने की तैयारी की जा रही है। वहीं परिजनों ने गांव के एक अघेड़ के उपर शक जताया है। पुलिस ने उसको हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।वहीं सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि एक चार साल की बच्चाया पुलिस से कुछ दूर पर पड़ी मिली। बच्ची को तत्काल अस्पताल भेजा गया है। उसके प्राइवेट पार्ट से ब्लड निकल रहा था। गांव के एक आरोपी पर परिजनों ने शक जताया है। उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

फर्जी वारंट भेजा, महिला को अस्थमा अटैक, 65 लाख रुपए ट्रंसफर कराएय 56 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा

नोएडा। बुजुर्ग महिला को 56 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा। 65 लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने मुंबई पुलिस का अफसर बनकर महिला को फोन किया। कहा– आपने जो पार्सल भेजा है, उसने ड्रग मिले हैं। उसे डराया–धमकाया। महिला ठगों की जाल में फंस गई। फिर उसे गिरफ्तारी का फर्जी वारंट भेज दिया। गिरफ्तारी की बात सुनकर महिला इतनी सहम गई कि उसे अस्थमा का दौरा पड़ गया। मगर ठगों का दिल नहीं पसीजा। वे महिला पर और पैसे ट्रंसफर करने का दबाव बनाते रहे। आखिर में जब महिला ने और पैसे ट्रंसफर करने से इनकार कर दिया। इसके बाद ठगों ने भी पूरी तरह से संपर्क तोड़ दिया। इस पर महिला को ठगी की आशंका हुई। इसके बाद महिला ने 4 नवंबर को साइबर क्राइम थाने में ठगी की शिकायत की। महिला चांद



गांधी नोएडा के सेक्टर–128 में रहती हैं। उन्होंने बताया– 13 जुलाई को सुबह 11 बजे फेडेक्स मुंबई अंधेरी ब्रांच का बताते हुए अमित कुमार नाम के व्यक्ति की कॉल आई। उसने कहा कि आपके नाम से विदेश भेजे जाने वाले पार्सल में ड्रग्स, क्रेडिट कार्ड और पासपोर्ट समेत अन्य आपत्तिजनक सामान हैं। मैंने जब कहा कि कोई पार्सल नहीं भेजा है।

इस पर ठग ने मुझे डराया–धमकाया। कहा कि बड़ी मुश्किल में फंस सकती हों। हम आपको बाहर निकाल सकते हैं। इसके लिए जांच में सहयोग करना होगा। इसके लिए मुंबई पुलिस के अधिकारियों से संपर्क करने के लिए कहा गया। जांच के बाद बरी करने का आश्वासन भी दिया। मैंने जब जांच के लिए हामी भर दी, तो ठग को स्काइप कॉल

बदमाश से मुठभेड़, पैर में लगी गोली,600 मीटर तक पुलिस ने किया पीछा, 10 से ज्यादा केस दर्ज



नोएडा। नोएडा के थाना फेस 2 में पुलिस की बदमाश से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। बताया जा रहा है कि एन्डिको चौराहे के पास चेंकिंग की जा रही थी। इस दौरान बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया गया। वह रुकना नहीं। इस कारण पुलिस बल को शक होने पर बाइक सवार व्यक्ति का

600 मीटर तक पीछा किया गया। बाइक सवार सर्विस रोड नोएडा –ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर जेपी पलाई ओवर की ओर भागने लगा। रास्ते में एटीएस तिराहे पर लगी चेंकिंग टीम ने आगे से आकर बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया। बाइक सवार बदमाश पुलिस को देखकर बाइक पीछे की ओर मोड़ने लगा। जिससे बाइक सड़क के एक

सामाजिक कार्य और आउटरीच गतिविधि क्लब के उद्घाटन पर समारोह का आयोजन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विमेंस कॉलेज के सामाजिक कार्य और आउटरीच गतिविधि क्लब के गठन के उपलक्ष में एक उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया और इसकी सदस्यता कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया गया। क्लब के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए, प्रो. शादाब बानो ने दान और सामाजिक कार्य के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा प्राप्त करने से हमें इसके लाभों को दूसरों के साथ साझा करने की जिम्मेदारी भी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से सामाजिक कार्य को नागरिक कर्तव्य के रूप में देखने और अपनाने का आग्रह किया। प्रो. नजूरा उस्मानी ने विकलांगता सहायता समिति के महत्व पर जोर दिया और समावेशिता को बढ़ावा देने और परिसर में विकलांग छात्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने सभी के लिए



अधिक समझ और सुलभ वातावरण बनाने के लिए छात्र निकाय के बीच विकलांगता संवेदीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. ईशा रहमान ने क्लब की समितियों की घोषणा की और समन्वयकों का परिचय करायाय। मुख्य समन्वयक के रूप में प्रो. नजूरा उस्मानी और प्रो. शादाब बानो, अब्दुल्ला स्कूल के छात्रों के लिए उपचारात्मक के बारे में बताया। लगभग 65 छात्राओं डॉ. शगुपता मुनीर, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए वयस्क शिक्षा के

खाद के लिए मारामारी, भटक रहे किसान

उरई/जालौन। रबी की फसल की बुआई का समय अंतिम चरण में चल रहा है। केंद्रों पर खाद न मिलने से किसानों को अभी भी भटकना पड़ रहा है। आलम यह है कि बीस बोरी की जरूरत होने पर एक–दो बोरी खाद मुश्किल में मिल पा रही है। जुझारपुरा समिति पर 20–20 एनपीके खाद ही मिल रही है लेकिन और केंद्रों पर खाद नहीं है। पीसीएफ पर सुबह से ही ताला लटक रहा है। बाहर किसान सुबह से खाद के लिए डेरा डाले हैं। किसान श्याम मोहन रिछरिया, प्यार मोहम्मद मंसूरी, पंकज निरजंन, हबीब मंसूरी, भरत पटेल, अंकुर पटेल, धनश्याम आदि का कहना है कि इस बार डीएपी खाद ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है। केंद्रों पर खाद आते ही खत्म हो जाती है। किसानों को हर साल खाद के लिए भटकना ही पड़ता है। जिम्मेदार पहले से कोई प्लानिंग नहीं करते हैं। समय से खाद न मिलने से बुआई लेट हो रही है। कहा कि कई जगह समिति संचालक ताला बंदकर चले गए हैं। केंद्रों पर हालत यह हैं कि किसी किसान को अगर बीस बोरी की जरूरत है तो उसे सिर्फ एक या दो बोरी ही मिल रही हैं। क्रय विक्रय केंद्र प्रभारी ऊषा तिवारी का कहना है कि मंगलवार को चार सौ बोरी आई थी और आते ही वितरित कर दी गई। आज डीएपी की एक भी बोरी नहीं है, डिमांड भेज दी गई है। जुझारपुरा समिति के केंद्र प्रभारी राजेश शुक्ला का कहना है कि डीएपी खाद नहीं बची है। अभी 20– 20 एनपीके खाद किसानों को बांटी जा रही है। पीसीएफ केंद्र प्रभारी कमलेश कुमार का कहना है कि उनकी उरई गोदाम पर ड्यूटी है। अभी पीसीएफ केंद्र पर खाद उपलब्ध नहीं हैं, खाद आते ही वितरित की जाएगी।

सक्षिप्त खबरें

एमयू डेंटल कालिज शिक्षक द्वारा आंध प्रदेश के भीमावरम में कार्यशाला का संचालन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जेड. ए. डेंटल कॉलेज के बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग के डॉ. मोहम्मद आतिफ ने आंध्र प्रदेश के भीमावरम स्थित विष्णु डेंटल कॉलेज और अस्पताल में व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण पर दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला का उद्देश्य गहन और साक्ष्य–आधारित शोध करने पर व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। कार्यशाला में 60 से अधिक संकाय सदस्यों ने भाग लिया।डॉ. आतिफ ने कहा कि कार्यशाला में शोध। तकनीकों में अंतर्दृष्टि प्रदान की गयी जो स्वास्थ्य सेवा ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है और उन्होंने जटिल शोध विधियों को सुलभ और आकर्षक बनाते हुए व्यावहारिक मार्गदर्शन के साथ सत्र भी आयोजित किए। उन्होंने एक स्थानीय सामुदायिक रेडियो स्टेशन पर एक व्याख्यान भी प्रस्तुत किया और विशेष रूप से बच्चों में मुख स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

‘फिक्स्ड पॉइंट प्रॉब्लम’ पर कार्यशाला 4–8 फरवरी को एमयू में

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 4–8 फरवरी, 2025 के दौरान जीआईएएन कार्यक्रम के तहत ‘फिक्स्ड पॉइंट प्रॉब्लमरू द ओल्ड एंड द न्यू’ विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कोर्स समन्वयक डॉ. जाविद अली ने कहा कि चौथे वर्ष के स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी, पोस्ट–डॉक्टरेट छात्रों और युवा शिक्षकों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य फिक्स्ड पॉइंट सिद्धांत और इसके अनुप्रयोगों को सीखने के उद्देश्य का वर्णन करना, अकादमिक चर्चा के लिए मंच प्रदान करना और छात्रों की सहभागिता को बढ़ावा देना है।

प्रोस्थोडोन्टिक्स में क्लीनिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम’ 16 नवंबर से

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जेड. ए. डेंटल कॉलेज (जेडएडीसी) के प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग द्वारा संचालित तीन महीने का स्व–वित्तपोषित और अवलोकन–आधारित ‘प्रोस्थोडोन्टिक्स में क्लीनिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम’ 16 नवंबर, 2024 से शुरू होगा।प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर शाइस्ता अफरोज ने कहा कि डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं से इंटरनशिप पास करने वाले बीडीएस स्नातक 14 नवंबर, 2024 तक अपने आवेदन पत्र prosthodontics6zadc@gmail-com :k chairperson-pv@amu-ac-पद पर ईमेल कर सकते हैं। प्रवेश के समय वांछित शुल्क जमा करना होगा, जो पाठ्यक्रम के आधिकारिक विज्ञापन के बाद पहले आओ पहले पाओप्रीतीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।

एमयू संकाय के शोध लेख ने आईईईई एनर्जी कन्वर्जन कांग्रेस में तीसरा पुरस्कार जीता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेडएच कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर इम्तियाज अशरफ और एफ. अहमद (एमआईईईई, यूएसए), ए. इकबाल, एम. मर्जबंद और आई. खान द्वारा सह–लिखित शोध लेख, जिसका शीर्षक ‘ऊर्जा प्रबंधन रणनीतियों के साथ अनिश्चितताओं पर विचार करके ईवी चार्जिंग स्टेशनों की प्लेसमेंट और क्षमता’ है और जिसे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित जर्नल में से एक, आईईईईई ट्रांजेक्शन ऑन इंडस्ट्री एप्लीकेशन में प्रकाशित किया गया है, को फीनिक्स, एरिजोना, यूएसए में आयोजित आईईईईई एनर्जी कन्वर्जन कांग्रेस और आईईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशन सोसाइटी की वार्षिक बैठक में तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रो. अशरफ ने कहा कि यह लेख ईवी चार्जिंग स्टेशन प्लेसमेंट, बैटरी स्टोरेज के साथ सौर ऊर्जा के नवीकरणीय एकीकरण, पीक डिमांड मैनेजमेंट और ईवी लोड डिमांड और सौर विकिरण में अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए उन्नत हाइब्रिड अनुकूलन पर केंद्रित है।

खेत जोतते समय निकाला हथियारों का जखीरा

शाहजहांपुर। खेत जोतते समय खेत के अंदर प्राचीन समय के हथियार निकले हैं। इनमे तलवारें, भाला और बरछी,खंजर एवं अन्य हथियार शामिल हैं । सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक सलोन। कुशवाहा और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है। पुरातत्व विभाग को इसकी जानकारी दे दी गई है । मामला निगोही थाना क्षेत्र के ढकिया तिवारी गांव का है। ढकीया गांव के रहने वाले बाबू राम ने बताया कि पहले यहां पर खेड़ा था कुछ दिन पहले जेसीबी से खेत की मिट्टी निकलवाई थी खेत की मिट्टी निकलने के बाद आज पहली बार खेत जोत रहे थे तभी हल से किसी लोहे के टकराने की आवाज सुनाई दी। देखे तो वहां से पुराने समय की तलवार, खंजर, बरछी, और बंदूके निकली। फिलहाल मौके पर निगोही पुलिस और राजस्व विभाग के लोग मौजूद हैं और पुरातत्व विभाग को सूचना दे दी गई। वहीं इसकी जानकारी क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। हथियारों को देखने वालों का मेला लगा हुआ है। वहीं सूचना पर तिलहर विधायक सलोन। कुशवाहा भी मौके पर पहुंच गई। पुरातत्व विभाग को इसकी जानकारी दे दी गई है उसकी टीम भी जल्दी वहां पहुंचेगी और यह पता लगाएगी कि यह हथियार कितने पुराने हैं ।

डीएम ने संविलियन विद्यालय डींगुरपुर का औचक निरीक्षण किया

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी ने विकास खंड कांट के अंतर्गत संविलियन विद्यालय डींगुरपुर का औचक निरीक्षण किया। जिलाधि।कारी ने निरीक्षण दौरान उपस्थित पंजिकाओं का निरीक्षण किया। विद्यालय में साफ सफाई अच्छे ढंग से न होने पर तथा हैंड पंपों के पास जल भराव की स्थिति होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि विद्यालय की साफ सफाई नियमित कराई जाए तथा जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने अध्यापकों के आधार कार्ड भी देखे। विद्यालय में 183 के सापेक्ष 96 उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों के उपस्थित पर विशेष ध्यान देकर बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे निध।रित ड्रेस में ही पढ़ने आए। उन्होंने बच्चों से अंग्रेजी, हिंदी की पुस्तकें पढ़वाकर शिक्षा की गुणवत्ता चेक की, पहाड़े सुने, अंग्रेजी शब्दों की स्पेलिंग पढ़वायी तथा अनुसूचित के पाठों को सुना। जिलाधि।कारी ने मध्याह्न भोजन मेन्सू के अनुसार बनने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। साथ ही अध्यापकों को निर्देश दिए कि 4 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2024 की तैयारी अच्छे ढंग से कराई जाए। बच्चों से ओएमआर शीट भरवाने का अभ्यास कराया जाए।

रेप के 2 दोषियों को सजा,कोर्ट ने 20–20 साल के लिए भेजा जेल

बांदा। किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को कोर्ट ने 20–20 साल की सजा और 12–12 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर एक–एक महीने की अतिरिक्त सजा काटनी पड़ेगी। आपको बता दें कि यह पूरा मामला बबेरू कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीडिता के पिता ने बिसंडा थाने में 8 जुलाई 2023 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पुलिस को बताया गया था कि 7 जुलाई 2023 को उसकी 15 वर्षीय बेटी ने घर में रखा गेहूं बेच दिया था। इस पर उसने बेटी को डांटा। किशोरी ने नाराज होकर बिना बताए घर से अपनी बड़ी बहन के गांव महाबा के खन्ना थानांतर्गत गांव न्यूरिया जा रही थी। पिता ने बताया कि रास्ते में सया तिराहे के पास थाना बिसंडा के सया गांव निवासी बाबूलाल और



नगर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भरखरी निवासी सुरेंद्र कुमार ने उसे अपनी बाइक पर बैठा लिया। दोनों युवकों ने कहा कि वह उसके जीजा के पास छोड़ आएंगे। युवकों ने किशोरी

के साथ घुरी गांव के पास रेप किया। इसके बाद बाइक से किशोरी को रोडवेज बस स्टैंड बांदा ले गए। जहां पर उन्होंने किसी को न बताने की धमकी दी। पीडिता ने

बड़ी बहन से सारी आपबीती बताई। जब परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो मामला पुलिस के पास पहुंचा। जहां पर इस मामले का आरोप पत्र विवेचक ने 15 जुलाई 2023 को न्यायालय में पेश किया। दोनों दोषियों के विरुद्ध अदालत ने 7 जून 2024 को आरोप बनाया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से 7 गवाह पेश किए गए। पत्रावली में उपलब्ध। साक्ष्यों और अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश हेमंत कुमार कुशवाहा ने बाबूलाल और सुरेंद्र कुमार को सामूहिक दुष्कर्म में दोषी पाते हुए दंडित किया। अन्य धाराओं में सजा समेत 12–12 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। अर्थदंड अदा न करने पर एक–एक महीने की अतिरिक्त सजा भोगनी होगी। जुर्माने की धमराशि पीडिता को क्षतिपूर्ति के रूप में दी जाएगी।

बुलडोजर से जिसका घर तोड़ा उसे 25 लाख दीजिए, सुप्रीम कोर्ट का योगी सरकार को आदेश, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, कितने घर तोड़े?

लखनऊ। प्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार को बुलडोजर एक्शन पर फटकार लगाई है। मामला यूपी के महाराजगंज जिले का है, जहां सड़क चौड़ीकरण प्रोजेक्ट के लिए घरों को बुलडोजर के जरिए ध्वस्त किया गया था। मामले में स्वतः संज्ञान लिया गया था, जिस पर सुप्रीम अदालत सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूपी सरकार ने जिसका घर तोड़ा है उसे 25 लाख रुपए का मुआवजा दे।सीजेआई डी वार्ड चंद्रचूड़ ने कहा कि आप कहते हैं कि वह 3. 7 वर्गमीटर का अतिक्रमणकर्ता था।हम इसे सुन रहे हैं लेकिन कोई प्रमाण पत्र नहीं दे रहे हैं, पर आप क्या इस तरह लोगों के घरों



को कैसे तोड़ना शुरू कर सकते हैं? यह अराजकता है, किसी के घर में घुसना।उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से मनमानी है, उचित प्रक्रिया का पालन कहाँ किया गया

है? हमारे पास हलफनामा है, जिसमें कहा गया है कि कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था, आप साइट पर गए थे, लोगों को सूचित किया था। हम मामले में दंडात्मक

मुआवजा देने के इच्छुक हो सकते हैं।क्या इससे न्याय का उद्देश्य पूरा होगा?याचिकाकर्ता के वकील ने मामले की जांच का आग्रह किया। सीजेआई ने राज्य सरकार के वकील से पूछा कितने घर तोड़े? राज्य के वकील ने कहा कि 123 अवैध निर्माण थे। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि आपके यह कहने का आधार क्या है कि यह अनाधिकृत था, आपने 1960 से क्या किया है, पिछले 50 साल से क्या कर रहे थे, बहुत अहंकारी, राज्य को एनएचआरसी के आदेशों का

अपने पैतृक घर और दुकान के विध्वंस की शिकायत करते हुए मनोज टिबरेवाल द्वारा संबोधित पत्र पर स्वतः संज्ञान लिया गया था। रिट याचिका पर नोटिस जारी किया गया था।जस्टिस जेबी पारदीवाला ने यूपी सरकार के वकील से कहा कि आपके अधिकारी ने पिछली रात सड़क चौड़ीकरण के लिए पीले निशान वाली जगह को तोड़ दिया, अगले दिन सुबह आप बुलडोजर लेकर आ गए। यह अधिग्रहण की तरह है, बुलडोजर लेकर नहीं आते और घर नहीं गिराते, परिवार को घर खाली करने का समय भी नहीं देते। चौड़ीकरण तो सिर्फ एक बहाना था, कवायद का कोई कारण नहीं लगा।।सीजेआई ने आदेश में कहा कि इस मामले में जांच करने की

आवश्यकता है।यूपी राज्य ने एनएच की मूल चौड़ाई दर्शाने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है। दूसरा यह साबित करने के लिए कोई भौतिक दस्तावेज नहीं है कि अतिक्रमणों को विहित करने के लिए कोई जांच की गई थी। तीसरा यह दिखाने के लिए बिल्कुल भी सामग्री नहीं है कि परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया गया था।राज्य सरकार अतिक्रमण की सटीक सीमा का खुलासा करने में विफल रहा है। अधिसूचित राजमार्ग की चौड़ाई और याचिकाकर्ता की संपत्ति की सीमा, जो अधिसूचित चौड़ाई में आती है। कथित अतिक्रमण के क्षेत्र से परे घर तोड़ने की जरूरत क्यों थी? एनएचआरसी की रिपोर्ट बताती है कि तोड़ा गया हिस्सा 3.75 मीटर से कहीं अधिक था।

उपचुनाव बाद मुख्यमंत्री योगी का हटना तय–हाजी रफीक सपा विधायक के दावे ने गरमाया सियासी पारा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उपचुनाव के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को हटना तय है, ये दावा सपा मुखिया अखिलेश यादव के विधायक हाजी रफीक अंसारी ने किया है। सपा विधायक के इस बयान के बाद यूपी में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। अखिलेश के ये विधायक चुनाव की तारीख बदलने के फैसले पर भी बीजेपी को घेरने से पीछे नहीं रहे और मुजफ्फरनगर दंगे को लेकर भी बड़ी बात कह डाली।मेरठ की शहर विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के लगातार दूसरी बार विधायक हाजी रफीक अंसारी बीजेपी की जमकर बरसे। कहने लगे यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर हम उपचुनाव जीतेंगे, लेकिन उन्होंने जो दूसरी बात कही वो चर्चा का विषय बन गई।हाजी रफीक अंसारी ने कहा कि बीजेपी चुनाव जीते या हारे योगी का हटना तय है।हम चुनाव जीतेंगे और योगी हटेंगे, जब

उनसे ये पूछा गया कि ये बात कहाँ से पता चली तो कहने लगे उनका का रूख बता रहा है और हवाओं का रूख भी बहुत कुछ कहानी कह रहा है।प्रदेश और देश के सियासी माहौल में सीएम योगी हटाने की चर्चा आम है और चुनाव के नतीजों का इंतजार कीजिए बाकी तस्वीर साफ हो जाएगी।यूपी उपचुनाव की तारीख 13 नवंबर से बढ़कर 20 नवंबर हो गई है। जब सपा वि्धायक हाजी रफीक अंसारी से सवाल किया गया तो कहने लगे बीजेपी के इशारे पर तारीख बदली गई है। सियासत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ। बीजेपी हार से उठी हुई है इसलिए तारीख बदलवा दी है ताकि बीजेपी के बड़े नेता जिन वि्ध।ानसभाओं में उपचुनाव हो रहा है वहां आ सकें और बड़े कार्यक्रम कर सकें, लेकिन कोई भी आए और कोई भी जाए कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।हाजी रफीक अंसारी ने कहा कि सपा गठबंधन चुनाव जीतेगा

और जनता ये चुनाव जिताएगी, क्योंकि बीजेपी राज में लूट, हत्या, डकैती, अपहरण हो रहें हैं और लोग सुरक्षित नहीं हैं, इसलिए यूपी उपचुनाव में बदलाव होगा और सपा गठबंधन चुनाव जीतेगा।यूपी के उर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेन्द्र तोमर ने मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए पूर्व सांसद कादिर राणा को घेरा था कि उनके कृत्य सभी को पता हैं, इस पर जब सपा विधायक रफीक अंसारी से सवाल किया गया तो पलटवार करते हुए बोले कि मुजफ्फरनगर दंगा बीजेपी ने कराया था सपा ने नहीं। पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधू मीरापुर से मैदान में हैं उनपर पर कोई आरोप कमजोर हैं और चुनाव हारंगी, क्योंकि चौधरी थे तो गठबंधन जीता था, इस बार भी गठबंधन जीतेगा, क्योंकि जनता को पुराना हिसाब भी बराबर करना है।पता लग जाएगा कौन नहीं है।हाजी रफीक अंसारी ने कहा कि सपा गठबंधन चुनाव जीतेगा

।ानसभा उपचुनाव में सपा से सुम्बुल राणा, बसपा से शाह नजर, आजाद समाज पार्टी से जाहिद हुसैन और एआईएमआईएम से अरशद राणा मैदान में, जबकि रालोद ने मिथलेश पाल पर दाव लगाया है। जब मेरठ शहर विधानसभा सीट से सपा वि्ध।ायक हाजी रफीक अंसारी से सवाल किया गया कि मुस्लिम वोट बंट सकती है और एनडीए को फायदा हो सकता है तो कहने लगे न हम बंटेंगे और न कटेंगे एक जुट होकर वोट करेंगे।कहने लगे मुस्लिम नहीं हमें सभी जातियों की वोट मिलेगी।सपा विधायक ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हिंदू हैं और पीडीए हमारा मजबूत हैं, बीजेपी कमजोर हैं और चुनाव हारंगी, क्योंकि पूरा तामझाम लेकर आ रहें हैं, क्या बीजेपी वालों को अपने काम पर भरोसा नहीं है, काम किया है तो फिर इतनी ताकत लगाने की क्या जरूरत है, उपचुनाव की अपनी मर्यादा होती है उसका भी ध्यान नहीं किया।

प्रेस काउन्सिल की सरस्ती पर फतेहपुर पुलिस ने पत्रकार हत्याकांड के मुख्य आरोपियों को मुठभेड़ में दबोचा!

लखनऊ। प्रेस काउन्सिल आफ इंडिया के सख्त रुख पर फतेहपुर पुलिस हरकत में आई और जिले के चर्चित पत्रकार दिलीप सैनी की हत्या के मुख्य आरोपी आलोक तिवारी और अनुराग तिवारी को मुठभेड़ में दबोच लिया है। विदित हो कि मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन एवं श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी एवं महामंत्री रमेश शंकर पाण्डेय ने प्रेस काउन्सिल आफ इंडिया से हमीरपुर, फतेहपुर, जौनपुर आदि कई जिलों में पत्रकारों की पिटाई एवं हत्या के मामलों को लेकर सख्त कार्यवाही की मांग की थी। जिसे प्रेस काउन्सिल आफ इंडिया ने संज्ञान में लेते हुए उत्तर प्रदेश के डीजीपी को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए थे। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि फतेहपुर की मलवा पुलिस और इंटेलिजेंस विंग की टीम ने मुठभेड़ के दौरान मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। बीती रात थाना मलवा क्षेत्र के वाहिदापुर गाँव के पास कैंची मोड़ पर दोनों को घेर लिया गया था। भागने की कोशिश में आरोपियों ने पुलिस टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अनुराग तिवारी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि दूसरा आरोपी आलोक तिवारी ने मौके पर ही हथियार फेंककर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू, एक तमंचा, कार, दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, और 4200 रुपये नकद बरामद किए। गिरफ्तार किए गए आलोक और अनुराग तिवारी के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, धमकी देना, और धोखाधड़ी शामिल है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि इनकी गिरफ्तारी से जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

के पीछे लूट और पुरानी रंजिश से इंकार करते हुए बताया कि रोज की तरह शाम को खाना पछूने पर उन्होंने समय पर खाना दे जाने की बात कही थी। जिसके बाद आठ बजे खाना देकर लौट आई थी। वह घर पर अपनी पूजन सामग्री और किताबों के अलावा कोई खास कीमती चीज नहीं रखते थे। अगर होगा तो कुछ दक्षिणा के पैसे होंगे। जो वह अपनी खुन से लथपथ पड़े थे। ऐसा लग रहा था कि उनके सिर को किसी ने कूच दिया हो। पत्नी रामश्री ने घटन

के पीछे लूट और पुरानी रंजिश से इंकार करते हुए बताया कि रोज की तरह शाम को खाना पछूने पर उन्होंने समय पर खाना दे जाने की बात कही थी। जिसके बाद आठ बजे खाना देकर लौट आई थी। वह घर पर अपनी पूजन सामग्री और किताबों के अलावा कोई खास कीमती चीज नहीं रखते थे। अगर होगा तो कुछ दक्षिणा के पैसे होंगे। जो वह अपनी खुन से लथपथ पड़े थे। ऐसा लग रहा था कि उनके सिर को किसी परिचित के हाथ होने की आशंका जताई है। उनका कहना है

कि हो सकता है किसी ने घर और रहन सहन देखकर घर में बड़ी रकम मिलने की उम्मीद से चोरी की कोशिश की हो। उनके पहचानने के उर से हत्या कर दी हो। मूल रूप से माल के रहने वाले हरिशरण के लखनऊ में पांच मकान हैं। जिसमेंसआतगंज वजीरबाग में एक मकान मेंउनके तीन बेटे विजय शंकर, देव शंकर और जयशंकर रहते हैं। वहीं ठाकुरगंज मरीमाता मंदिर के पास स्थित दो घरों में चौथे नंबर का बेटा उमाशंकर और पांचवे नंबर का बेटा रामलखन रहता है।

<p>सशिक्षित खबरें </p> <p>मोहम्मद आफाक के पिता की 7वीं बरसी पर प्रार्थना कार्यक्रम का आयोजन</p>	
<p>लखनऊ। जामीअतुल कुरी, खदरा में राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक के पिता स्वर्गीय मुहम्मद अशफाक की 7वीं पुण्य तिथि पर एक प्रार्थना कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें इस्तांज जामिअतुल –कुरी, खदरा, लखनऊ के संस्थापक हजरत मौलाना कारी मुहम्मद यूसुफ साहब कब्जिला अजीजी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दुनिया में जितने भी प्राणी हैं, उन सभी को एक न एक दिन मरना ही है यह एक अटल सत्य है। शाश्वत अस्तित्व केवल अल्लाह का है, अल्लाह ने इस दुनिया में जो कुछ भी किसी को दिया है वह उसका है, और जो कुछ वह किसी को देगा वह भी उसका है। वह अपनी चीज देता है, और यदि वह किसी से लेता है, तो वह अपनी चीज लेता है, और हर चीज के लिए उसके द्वारा एक अवधि और समय निर्धारित किया जाता है, और जब वह समय आता है, तो वह चीज ले लेता है मौलाना कारी मुहम्मद तफसल साहब कादरी, जामिअतुल –कुरी –खुदरा ने एक शोक पेश किया। यह संबंधित है कि मृतक को इनाम दिलाने के लिए जो किया जा सकता है, उसे करें, ताकि मृतक को इनाम माफ कर दिया जाए, उन्हें गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना चाहिए। सभी अच्छे कर्मों का प्रतिफल माता–पिता को दिया जा सकता है, साथ ही हमें कब्रिस्तान भी जाना चाहिए और सभी मृतकों को अपना सम्मान देना चाहिए। मुहम्मद अफाक ने कहा कि मेरे पिता हमें मुल्क के प्रति वफादारी और आजादी की लड़ाई में दिए गए बलिदान की याद दिलाते थे। उन्होंने कहा कि हमें यह आजादी अंग्रेजों से बड़ी लड़ाई लड़ने के बाद मिली है, जिसमें हमारे विद्वान भी बड़ी संख्या में शहीद हुए हैं, हमें हर कीमत पर इस देश और इस देश के संविधान की रक्षा करनी है। आखिर में मृतकों के लिए क्षमा की प्रार्थना की।</p> <p>लोक सेवा आयोग ने तय की आरओ–एआरओ और पीसीएस प्री परीक्षा की तारीख</p> <p>लखनऊ। लंबे समय से आरओ–एआरओ प्री और पीसीएस प्री की परीक्षा की नई तारीख का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार आरओ–एआरओ की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन शिफ्टों में होगी जबकि पीसीएस प्री परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो सत्रों में होगी।उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 7 और 8 दिसंबर को किया जाएगा। यह परीक्षा प्रदेश के 41 जिलों में दो सत्रों में होगी।परीक्षा का पहला सत्र सुबह 9रू30 बजे से 11रू30 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तक होगा। वहीं आरओ–एआरओ समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी प्री की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कुल तीन शिफ्टों में आयोजित कराई जाएगी।आरओ–एआरओ प्री की परीक्षा पहली और दूसरी शिफ्ट 22 दिसंबर को होगी, जिसमें पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2रू30 बजे से शाम 5रू30 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं तीसरी शिफ्ट 23 दिसंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। इस परीक्षा के लिए 10.76 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।आयोग द्वारा दिए गए दिशा–निर्देश के अनुसार यदि एक पाली में 5 लाख से अधिक परीक्षार्थी होते हैं तो परीक्षा को कई पालियों में आयोजित करना अनिवार्य हो जाता है। इसी कारण इस परीक्षा को तीन शिफ्टों में बांटा गया है।</p> <p>साइड न देने पर एंगुलैस ड्राइवर को पीटा, दरोगा ने एंगुलैस चलाकर अस्पताल पहुंचाया</p> <p>लखनऊ। राजधानी में एंगुलैस ड्राइवर और हेल्वर को दबंगों ने बेहरमी से पीटा। वजह सिर्फ इतनी है कि हॉर्न बजाने पर ड्राइवर ने साइड नहीं दिया। इससे दबंग भड़क गए। ओवरटेक कर बाइक सामने खड़ी कर दी। एंगुलैस रोकते ही ड्राइवर को कॉलर पकड़कर खींच लिया। पहले लात–घूसों से पीटा, फिर सिर पर ईंट पर वार किया। हेल्वर बचाने आया तो उसे भी पीट दिया। मारपीट की सूचना पर सिसेंडी चौकी इंचार्ज आशुतोष दीक्षित ने पहुंचे। मगर आरोपी फरार हो गए। उन्होंने देखा तो एंगुलैस में महिला प्रसव पीड़ा से कराह रही थी। उन्होंने खुद एंगुलैस चलाकर सभी को मोहनलालगंज सीएचसी पहुंचाया। हमले में ड्राइवर और हेल्वर गंभीर रूप से घायल हैं। घटना मंगलवार रात 10 बजे के आस–पास की है। एंगुलैस ड्राइवर हंसराज ने बताया मैं सिसेंडी के अहमद खेड़ा गांव से गर्भवती महिला को लेकर अस्पताल जा रहा था। रास्ते में 6 से अधिक लोगों ने एंगुलैस को रोका। इसके बाद गाली–गलौज करने लगे। कारण पृछने पर कॉलर पकड़कर गाड़ी से खींच लिया। इतने में एक व्यक्ति ने ईंट उठाकर सिर पर मार दी। ड्राइवर ने बताया— हेल्वर बचाने के लिए आया तो सभी ने मिलकर लाठी–डंडे से पीटना शुरू कर दिया। दोनों को सिर, पेट और पैर में चोट आई है। साथ में देवेंद्र यादव भी थे। उनको भी चोट आई। जब मैं रखे 1200 रुपए भी से लूट लिए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर सिसेंडी चौकी इंचार्ज आशुतोष दीक्षित फोर्स के साथ पहुंचे। उन्होंने देखा कि एंगुलैस में गर्भवती दर्द से कराह रही थी। ड्राइवर की हिम्मत नहीं थी कि गाड़ी चलाकर उसे अस्पताल तक पहुंचा सके। हालत गंभीर देखते ही चौकी ने खुद एंगुलैस चलाकर सभी को अस्पताल पहुंचाया।</p> <p>राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजेर का टीजर 9 नवंबर लखनऊ में होगा रिलीज</p> <p>लखनऊ। राम चरण अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर को 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार है ऐसे में लोगों की उत्सुकता और बढ़ाती जा रही है। 9 नवम्बर को फिल्म का टीजर लांच किया जायेगा और आप को बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी फिल्म का टीजर भारत के हार्टलैंड लखनऊ में किया जा रहा है जो ग्लोबल स्टार की प्रसिद्धि को और बढ़ाएगा। हमने अब तक कई पैन् इंडिया फिल्म के टीजर या ट्रेलर अक्सर मुंबई या दिल्ली में किया गया है गेम चेंजर ने हकीकत में गेम चेंज कर दिया है। इस बहुप्रतीक्षित टीजर में , उन्हें राम चरण और कियारा आडवाणी सहित अन्य लोगों का सहयोग भी देखने को मिलेगा। रा मचा मचा, जरागंड़ी गानों ने लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है और अब यह टीजर निश्चितरूप से फिल्म के प्रति उनकी उत्सुकता को और बढ़ाएगा कि राम चरण इस बार शंकर शनमुगम निर्देशित फिल्म के में उनके लिए क्या लेकर आ रहे हैं। गेम चेंजर में राम चरण एक आईएएस अधिाकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे जो निष्पक्ष चुनाव की वकालत करके भ्रष्ट राजनेताओं से मुकाबला करता है। यह एक्शन–थ्रिलर 10 जनवरी, 2025 को बड़े पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म का निर्माण दिल राजू और सिरिश द्वारा किया गया है, कहानी कार्तिक सुब्बाराज की है और लेखन एसयू वेंकटेशन और विवेक द्वारा किया गया है। हर्षित द्वारा सह–निर्मित, सिनेमेटोग्राफी एस. थिरुगुवकाराया द्वारा नियंत्रित की जाती है, संगीत एस. थमन द्वारा रचित है। और संवाद माधव बुरी द्वारा लिखे गए हैं। लाइन प्रोडक्शन की देखरेख नरसिन्हा राव एन. और एसके जबीर करते हैं, जबकि अविनाश कोल्ला कला निर्देशक हैं।</p>	
हिन्दी दैनिक अवतार क्रान्ति : स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विश्राम शर्मा द्वारा स्पेक्ट्राविजन मीडिया प्रा०लि०, 89/211 रामगोपाल विद्यान्त रोड, मकबूल, लखनऊ से मुद्रित कराकर 633/12 सन सिटी पंचवटी कमता चिनहट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित सम्पादक विश्राम शर्मा मो० - 94550००085	सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ जनपद होगा। G-mail : avatarkrantiki@gmail.com